रविवासरीय
हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
रविवार
29 अक्तूबर 2023, बरेली

कांफ्रेंस | एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में फिजीशियंस की दो दिवसीय 40वीं कांफ्रेंस का आरंभ, वयोवृद्ध चिकित्सक हुए सम्मानित

स्वास्थ्य के लिए दवाओं के साथ जागरूकता भी अहम

बरेली, वरिष्ठ संवाददाता।
श्रीराममूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज में शनिवार को देश के फिजीशियंस की सबसे बड़ी संस्था एसोसिएशन ऑफ फिजीशियन ऑफ इंडिया की ओर से यूपी चैप्टर की 40वीं वार्षिक कांफ्रेंस का आरंभ हुआ। कॉन्फ्रेंस में स्वास्थ्य सेवाओं में हो रहे बदलाव, मेडिसिन के असर और सेहत के प्रति जन जागरूकता की जरूरत पर बात हुई। शनिवार को उद्घाटन सत्र समेत 10 साइंटिफिक सेशन हुए।

श्रीराममूर्ति स्मारक ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, श्रीराममूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति, विशिष्ट अतिथि इंडियन कॉलेज ऑफ फिजीशियन के डीन डॉ. ज्योतिर्मय पाल, प्रिंसिपल एयरमार्शल (सेवानिवृत्त) डॉ. एमएस बुटोला, कांफ्रेंस के साइंटिफिक चेयरमैन डॉ. केके साबलानी, यूपीएपीआई के इलेक्ट चेयरमैन डॉ.सेवल चक्रवर्ती, यूपीएपीआई के सेक्रेटरी डॉ. एससी चौधरी, कांफ्रेंस की आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. स्मिता गुप्ता, कांफ्रेंस के आर्गनाइजिंग चेयरमैन व आईएमए बरेली के प्रेसिडेंट डॉ. राजीव गोयल और डॉ. एमपी रावल ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन सत्र का आरंभ किया। कांफ्रेंस के दौरान यूपीएपीआई के नवनिर्वाचित डॉ. सेवल चक्रवर्ती को डॉ. एससी चौधरी ने चेयरमैन पद की जिम्मेदारी सौंपी। इसके साथ ही वयोवृद्ध चिकित्सक मुरादाबाद के डॉ. डीपी मनचंदा और डॉ. एचबी गुप्ता को उनकी सेवा के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान यूपीएपीआई के पूर्व चेयरमैन डॉ. संजय टंडन, पूर्व सचिव डॉ. मीनाक्षी जैन, डॉ. एके शुक्ला, डॉ. ऋचा गिरि और डॉ. एसके गौतम को भी सम्मानित किया गया।

वार्षिक कांफ्रेंस में इंडियन कॉलेज ऑफ फिजीशियन के डीन डॉ. ज्योतिर्मय पाल को स्मृति चिह्न प्रदान करते एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक देवमूर्ति।

मैनुअल ऑफ चेस्ट एक्सरे का हुआ विमोचन

कांफ्रेंस का सोविनियर रिलीज करने के साथ ही राजेंद्र प्रसाद की बुक मैनुअल ऑफ चेस्ट एक्सरे का भी विमोचन हुआ। कांफ्रेंस के आर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. एमपी रावल ने कांफ्रेंस में आए सभी चिकित्सकों और अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बरेली शहर के इतिहास की भी जानकारी दी। कांफ्रेंस के साइंटिफिक चेयरमैन डॉ. केके साबलानी ने सभी मेडिकल कॉलेजों में लाइब्रेरी की स्थापना पर जोर दिया। जहां इंडियन लिटरेचर की भी किताबें उपलब्ध हों।